

अंधेरो में झांकती हैं अर्पिता की कला

हरिभूमि न्यूज. नई दिल्ली

SK

अर्पिता सिंह की कला जीवन का उत्सव है। लेकिन वह अपने समय के पीछे जाकर हमारे समय के अंधकार में डूबे हिस्सों को भी दिखाती हैं। कला में अंधेरे हिस्सों को सामने लाना एक महत्वपूर्ण एवं बड़ी बात है।

उक्त विचार प्रख्यात कवि, आलोचक और ललित कला अकादमी के पूर्व अध्यक्ष अशोक वाजपेयी ने प्रख्यात कलाकार अर्पिता सिंह को अकादमी की रत्न सदस्यता प्राप्त करने के अवसर पर व्यक्त किए। आगे उन्होंने कहा कि उनका सम्मान खुद अकादमी का अपने को सम्मानित करना है। वह अपने समय की अमूल्य और सच्ची कलाकार हैं। ज्ञात हो कि साहित्य अकादमी सभागार में आयोजित एक समारोह में अर्पिता सिंह को ललित कला अकादमी की रत्न सदस्यता प्रदान की



■ अर्पिता सिंह को मिल चुकी है ललित कला अकादमी की रत्न सदस्यता

गई थी। इस अवसर पर एक ताम्रफलक के साथ उन्हें दो लाख रुपये की राशि अकादमी के अध्यक्ष डॉ कल्याण कुमार चक्रवर्ती द्वारा प्रदान की गई। इस अवसर पर डॉ चक्रवर्ती ने उनकी कला-शैली की विषद समीक्षा करते हुए कहा कि यह बेहद हर्ष का विषय है कि हम पहली बार किसी कलाकार को रत्न सदस्यता देने के साथ-साथ उनकी कृतियों की एक सिंहावलोकन प्रदर्शनी भी लगा रहे हैं। वहीं प्रख्यात कलाकार ए रामचंद्रन ने कहा कि भले ही अर्पिता

सिंह को यह रत्न सदस्यता देर से मिल रही हो लेकिन वह इसकी निर्विवाद पात्र थीं। उनके चित्रों की बात करते हुए उन्होंने कहा कि वह अपने चित्रों में बार-बार बचपन में लौटती हैं और यह बचपन देखते-देखते एक कथा में बदल जाता है। इस बदलाव को किसी पारखी की नजर ही पकड़ सकती है। उन्होंने उन्हें रत्न सदस्यता की बधाई देते हुए कहा कि यह खुशी की बात है कि अर्पिता सिंह के चित्रों को पसंद करने वाली हमारी पीढ़ी ही नहीं बल्कि युवा पीढ़ी भी है।